http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 25

प्रयागराज बुधवार 09 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

हरिणाया में मतगणना पर जयराम के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी एवं सांसद जयराम रमेश के इस अरोप को मंगलवार को खारिज कर दिया कि आयोग हरियाणा विधान सभा चुनाव की मतगणना के रुझानों को अपनी वेबसाइट पर धीमी गति से जारी कर रहा है। आयोग ने इस संबंध में कांग्रेस नेता की ओर से मिले ज्ञापन को मतगणना के बारे में निराधार,अपुष्ट और दुर्भावनापूर्ण बातों को विश्वसनीयता प्रदान करने की दबी–छुपी चाल बताया है। श्री रमेश ने सोशल मीडिया पर कहा था कि

गणना की सूचना धीमे कराकर भारतीय जनता पार्टी राज्य की नौकरशाही पर दबाव डालना चाहती है। चुनाव आयोग के प्रधान सचिव एसबी जोशी ने श्री रमेश की ओर से आज मतगणना के दौरान मिली लिखित शिकायत पर आयोग की ओर से दिए गए जवाब में कहा, "हरियाणा में सभी निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना में हर पांच मिनट पर लगभग 25 राउंड की गणना की सूचनाएं अद्यतन की जा रही हैं जो इस बात का साक्ष्य है कि मतगणना प्रक्रिया की सूचनाएं तेजी से प्रसार की जा रही हैं।" श्री जोशी ने श्री रमेश को लिखे पत्र में कहा है, "उपरोक्त के मद्देनजर, मुझे यह बताने का निर्देश दिया गया है कि एक गैर–जिम्मेदार, निराधार और अपुष्ट दुर्भावनापूर्ण बातों को विश्वसनीयता प्रदान करने की आपकी घात लगाकर की गयी कोशिश को आयोग दो टूक रूप से अस्वीकार करता है।"

मिशन शक्ति 5.0

योगी सरकार की अनूठी पहल

● प्रदेश की 7500 छात्राएं बनेंगी एक दिन की अधिकारीः सीएम योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। मिशन शक्ति 5.0 के तहत परिषदीय व केजीबीवी की बेटियों को अनूठा अवसर दिया जाएगा। इन छात्राओं को ब्लॉक, तहसील, जिला और मंडल स्तर पर एक दिन का अधिकारी बनाया जाएगा। योगी सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान को बल देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश की परिषदीय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की छात्राओं को प्रशासनिक कार्यों और जिम्मेदारियों से अवगत कराने के साथ–साथ उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिए उन्हें एक दिन का अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण के लिए योगी सरकार की ओर से की गई इस महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रत्येक जिले से 100 और कुल 7500 बेटियों को एक दिन का अधिकारी बनने का अवसर मिलेगा। इससे इनमें निपुणता और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। इसकी योजना तैयार कर ली गई है। बनेंगी डीएम, सीडीओ, बीएसए प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अनुभव देना और उनके आत्मविश्वास व नेतृत्व गुणों का विकास करना है। चयनित बालिकाएं डीएम, सीडीओ, बीएसए, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, डीआईओएस जैसे पदों पर एक दिन के लिए कार्य करेंगी। कासगंज की टॉपर भूमिका और संभल की शालू पहले ही इस योजना के तहत एक दिन की जिलाधिकारी बन चुकी हैं, जिन्होंने सफलतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लीडरशिप का भाव होगा जाग्रत उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में उन बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो अपनी निपुणता के लिए जानी जाती हैं और जिनमें लीडरशिप के गुण निखर कर सामने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में सभी जाति, वर्ग और श्रेणियों की बालिकाओं को समान अवसर प्रदान किया जाएगा। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें प्रशासनिक कार्यों की जमीनी समझ देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राजनाथ ने की जर्मनी के रक्षा मंत्री के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ बातचीत में रक्षा क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा की श्री सिंह ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह जानकारी

दी। दोनों रक्षा मंत्रियों ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान हवाई और समुद्री अभ्यास सहित विभिन्न क्षेत्रों में रक्षा सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने लिखा, " जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ टेलीफोन पर बात की। हमने हवाई और समुद्री अभ्यास सहित विभिन्न गतिविधियों में रक्षा क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा की। हमने रक्षा उद्योग के क्षेत्र में साझेदारी और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के उपायों तथा तरीकों पर चर्चा की।क्या बोले राजनाथ सिंह? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके जर्मन समकक्ष बोरिस पिस्टोरियस ने क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करके अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, श्जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ सार्थक चर्चा हुई। हमने क्षेत्रीय मुद्दों और अपनी साझा प्राथमिकताओं पर बातचीत की।

उद्धव ठाकरे का एलान

कांग्रेस–एनसीपी की तरफ से घोषित सीएम प्रत्याशी का समर्थन करेगी शिवसेना

मुंबई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र में लगातार बढ़ रही राजनीतिक सरगर्मियों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी– शिवसेना (यूबीटी) कांग्रेस और शरद पवार गुट वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी– NCP(SP) की तरफ से घोषित किए जाने वाले मुख्यमंत्री पद के प्रत्याशी का समर्थन करेगी। बता दें कि तीनों दल महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (MVA) के रूप में सरकार चला चुके हैं। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र को बचाने के लिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे / यूबीटी) कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार / एसपी) की तरफ से सीएम के रूप में घोषित किए जाने वाले किसी भी चेहरे का समर्थन करेगी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा कि सरकार विज्ञापनों की मदद से महाराष्ट्र में फर्जी और गलत खबरें प्रसारित करा रही है। बता दें कि इसी साल के अंत में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग की टीम प्रदेश का दौरा कर सभी घटकों से उनकी राय ले चुकी है। विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से पहले यानी दिसंबर महीने से पहले ही चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई जानी है। ऐसे में राज्य की सियासी सरगर्मियां काफी तेज हैं। महाराष्ट्र सरकार फर्जी कहानियां गढ़ रही है मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम उद्धव ने कहा कि अगले महीने संभावित विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महाराष्ट्र सरकार विज्ञापनों के माध्यम से राज्य में फर्जी कहानियां गढ़ रही है। उन्होंने सरकार पर विश्वासघात करने के लिए मजबूर करने का आरोप भी लगाया। पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये दिए जाते हैं उद्धव ने कहा, महायुति सरकार सरकार लड़की बहन योजना के माध्यम से जनता को उनका ही पैसा देकर महाराष्ट्र धर्म से विश्वासघात करने पर मजबूर कर रही है। सरकार पर कटाक्ष करते हुए ठाकरे ने कहा, इस योजना के तहत राज्य में पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये दिए जाते हैं। देश की तीसरी सबसे बड़ी विधानसभा में सियासी समीकरण महाराष्ट्र में इस बार सियासी मुकाबला बेहद दिलचस्प होने के आसार हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लगभग 25 महीने पहले जून, 2022 में महाविकास अघाड़ी (MVA) सरकार गिरी थी।

"भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा कि सरकार विज्ञापनों की मदद से महाराष्ट्र में फर्जी और गलत खबरें प्रसारित करा रही है।

उद्धव ठाकरे
महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री

पीडीपी की इल्तिजा मुफ्ती ने श्रीमुफवारा–बिजबेहरा सीट पर मानी हार

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में पीपुल्स डेमॉक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने श्रीमुफवारा–बिजबेहरा विधान सभा सीट से अपनी हार मान ली है। सुश्री इल्तिजा (35) मंगलवार को इस सीट की मतगणना में सात चक्र के बाद नेशनल कांफ्रेस (नेकां) के बशीर अहमद वीरी से 3788 वोट से पीछे हो गयी थी। इस सीट पर पांचवें दौर की गिनती बाकी ही थी कि सुश्री इल्तिजा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा,"मैनें जनता का फैसला मान लिया है। बिजबेहरा के लोगों ने मुझे जो

मोहब्बत और प्यार दिया है वह मेरे साथ हमेशा बना रहेगा।" उन्होंने प्रचार में साथ देने के लिए पीडीपी के कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया। जम्मू–कश्मीर की 90 सदस्यी विधान सभा के चुनाव की मतगणना आज चल रही है। इसमें नेकां –कांग्रेस गठबंधन आगे चल रहा है। दूसरे स्थान पर भारतीय जनता पार्टी है।

प्रेरणा बनेगी त्रियुग पर आधारित पुस्तक व्यक्तित्व के व्यक्ति

अयोध्या। अयोध्या वरिष्ठ पत्रकार राज खन्ना ने कहा कि 50 वर्ष यानी पांच दशक की पत्रकारिता अपने में बेहद खास होती हैं। उस पर निष्पक्ष और सधी लेखनी किसी को भी प्रभावित करती है। श्री खन्ना शहर के एक होटल में आयोजित व्यक्तित्व के व्यक्ति पुस्तक के विमोचन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार और लेखक हेमंत शर्मा ने कहा कि पुस्तक व्यक्तित्व के व्यक्ति नए आयाम गढ़ेगी। पत्रकारिता के लिए मिल का पत्थर साबित होगी। मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि सच्चाई के साथ अगर कलम चलती है तो समाज का परिष्कार अवश्य होता है। समारोह का संचालन कर रहे पुस्तक के संपादक विवेकानंद पांडेय ने पुस्तक की नींव और विमोचन तक के सफर को सभी से साझा किया। बैंक प्रबंधक अनुज तिवारी, सेवानिवृत प्रधानाचार्य डॉ वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया। त्रियुग नारायण तिवारी ने अपने अनुभव बताए। आरंभ मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। कवयित्री डॉ.स्वदेश मल्होत्रा रश्मि ने वाणी वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत प्रेस क्लब अध्यक्ष रामकुमार सिंह, सचिव नाथ बक्श सिंह पब्लिकेशन के प्रबंध निदेशक हरि कृष्ण यादव, अमर चंद्र छाबड़ा, उमाशंकर कुकरेती सहित कमलेश यादव, सौरभ पांडेय, अनूप मल्होत्रा, भास्कर पांडेय, सोनी पांडेय, गायत्री पांडेय, शिवम मिश्रा, अभिज्ञान यादव, शशांक मिश्रा, ने बुके, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट करके किया। इस दौरान अंबेडकरनगर के सांसद लालजी वर्मा, अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह, एमएलसी विजय बहादुर पाठक, महापौर नगर निगम महंत गिरीशपति त्रिपाठी, श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र, कांग्रेस के पीसीसी सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय, आकाशवाणी के सहायक निदेशक अभियांत्रिकी अनिल सिंह, कार्यक्रम प्रमुख संजय धर द्विवेदी, प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी, गायत्री शक्तिपीठ के स्थानीय समन्वयक महेंद्र सिंह, रमाकांत पाण्डेय सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

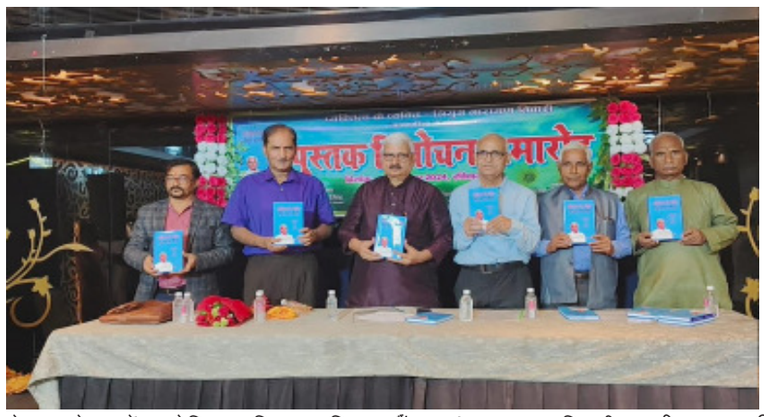

कश्मीर में भी केजरीवाल की क्रांति पहुंचीः आतिशी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने जम्मू कश्मीर के डोडा में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार जीतने पर कहा कि जम्मू कश्मीर में भी अरविंद केजरीवाल की क्रांति पहुंच गई। सुश्री आतिशी ने एक्स पर आज कहा श्डोडा विधानसभा में जीत के साथ जम्मू कश्मीर में भी अरविंद केजरीवाल की क्रांति पहुंच गई।श उन्होंने कहा कि इस शानदार जीत के लिए

मेहराज मलिक को बधाई। उल्लेखनीय है कि डोडा से आप के उम्मीदवार मेहराज मलिक को 22944 वोट मिले जबकि भाजपा के गजय सिंह राना को 18174 मत मिले।आतिशी पर भरोसे की वजह? आम आदमी पार्टी के नेता सोमनाथ भारती ने अंग्रेजी अखबार द हिंदू से कहा, श्जब अरविंद जी और मनीष जी जेल में थे, तब आतिशी ने पार्टी से जुड़े मसलों को संभालने के मामले में अपना लोहा मनवाया है. अरविंद और सिसोदिया के निर्देशों को आतिशी ही विधायकों और पार्षदों तक पहुंचा रही थीं. इसके अलावा आतिशी पार्टी में महिला चेहरा भी हैं।

पार्टी के प्रवक्ता और बुराड़ी के पार्षद संजीव झा ने कहा, श्विधानसभा चुनाव होने में कुछ महीने ही बाकी हैं।

महाकुंभ-२०२५ में बनेंगे चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

लखनऊ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 की शीर्ष समिति की 11वीं बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि महाकुंभ मेला 2025 के आयोजन में कुछ माह ही अवशेष हैं, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव अथवा प्रमुख सचिव स्थलीय निरीक्षण कर निर्माणाधीन परियोजनाओं का कार्य निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरा कराना सुनिश्चित करायें। श्रद्धालुओं के लिए सर्वोत्तम सुविधाओं की व्यवस्था करने तथा संगम क्षेत्र व घाटों को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाये। तैयारियों में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिये। वर्टिकल गार्डेन का अच्छे से रख–रखाव किया जाए। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में एक लाइब्रेरी स्थापित की जाये। लाइब्रेरी में सनातन धर्म व संस्कृति तथा महाकुंभ से संबंधित पाठ्य पुस्तकों को रखा जाये, जिससे मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालु पुस्तक पढ़कर अपना ज्ञानवर्धन कर सकें। स्वच्छता कर्मियों के ठहरने का भी समुचित प्रबंध किया जाये। बैठक में महाकुंभ मेला अवधि के दौरान सकुशल सुगमतापूर्वक आवागमन के लिए 281.84 लाख रुपये की लागत से रैना मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लोक निर्माण विभाग के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। यह मार्ग त्रिवेणी मार्ग से समुद्रकूप मार्ग तक जाता है। जनपद प्रयागराज में महाकुंभ के लिए अस्थाई स्टोर हेतु अस्थायी वेयर हाउस, अस्थाई बाउण्ड्रीवाल एवं पहुँच मार्ग निर्माण के साथ अन्य स्टोर सम्बन्धित कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग के 798.17 लाख रुपये के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया।

सम्पादकीय

एनकाउंटर की स्थिति

अनुज और अक्षय के मामले में समान तथ्य यह है कि जब उनका एनकाउंटर हुआ, वे पुलिस हिरासत में थे। इसलिए यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि उन्होंने कैसे पुलिस के लिए इतना खतरा पैदा कर दिया कि एनकाउंटर की स्थिति बन गई? महाराष्ट्र में बदलापुर बाल यौन शोषण कांड के आरोपी का एनकाउंटर आरंभ से संदिग्ध था और अब यह एक बड़ा विवाद बन गया है। पुलिस ने कहानी यह बताई कि वह आरोपी अक्षय शिंदे को जांच–पड़ताल के सिलसिले में अपने साथ ले जा रही थी, तभी शिंदे ने एक पुलिस अधिकारी के रिवॉल्वर को छीन लिया और गोली चलाने की कोशिश की। तभी दूसरे पुलिसकर्मियों ने फायरिंग की, जिसमें वह मारा गया। अब शिंदे के पिता के साथ–साथ पीडिघ्त बच्चियों के परिजनों ने भी हाई कोर्ट की पनाह ली है। उन्होंने कोर्ट से मामले की अपनी निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की गुजारिश की है। जिस रोज (सोमवार को) ये घटना हुई, उसी दिन उत्तर प्रदेश में जौहरी लूट कांड के आरोपी अनुज प्रताप सिंह भी एनकाउंटर में मारा गया। इसके पहले इस कांड का एक और आरोपी मंगेश यादव भी एनकाउंटर में मारा गया था। तब समाजवादी पार्टी सहित तमाम हलकों से आरोप लगा था कि पुलिस ने जाति देख कर मंगेश को मारा गया, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहजातीय आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया। मामला कुछ ज्यादा गरम हुआ था। अब संदेह जताया गया है कि जातिवाद के आरोप को गलत साबित करने के लिए अनुज का भी एनकाउंटर कर दिया गया है। अनुज और अक्षय दोनों के मामले में समान तथ्य यह है कि जब उनका एनकाउंटर हुआ, वे पुलिस हिरासत में थे। इसलिए यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि उन्होंने कैसे पुलिस के लिए इतना खतरा पैदा कर दिया कि एनकाउंटर की स्थिति बन गई? कभी यह चलन में था कि पुलिस हिरासत की हर मौत के बारे में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को तुरंत रिपोर्ट करना जरूरी था तथा ऐसे मामलों की अनिवार्य जांच होती थी। लेकिन अब संस्थाएं अपनी धार खो चुकी हैं। उधर आरोप है कि खासकर भाजपा की राज्य सरकारों ने एनकाउंटर को राजकीय नीति बना लिया है। यह न्याय और संविधान की भावना का खुला उल्लंघन है, लेकिन इस दौर में इन भावनाओं का ख्याल कम–से–कम सरकारी स्तर पर शायद ही बचा है।

भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता

एक तरफ शताब्दी वर्ष के दौर की खुशी तो दूसरी ओर उपेक्षा का गम, आज इसी दौर से गुजर रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आज उसकी सबसे बड़ी चिंता यही है, उसकी सोच है कि आजादी के बाद से अब तक सर्वाधिक काल तक कांग्रेस सत्ता में रही, किंतु उस दौर में भी उसकी (संघ की) केंद्रीय सत्ता द्वारा इतनी उपेक्षा नही हुई, जितनी की आज भाजपा के शासनकाल में हो रही है। पिछले साल लगभग इन्हीं दिनों महाराष्ट्र के पूणे में संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें भाजपा की चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई थी जिसमें संघ की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगे थे, इसके बाद इसी साल केरल में आयोजित संघ की समन्वय बैठक में भाजपाध्यक्ष जगत प्रकाश नड्ड़ा का अचानक पहुंचना और वहां यह प्रकट करना कि संघ भाजपा को अपने अधीन न समझे, भाजपा का संघ से समान विचारधारा के अतिरिक्त कोई रिश्ता नही है, यह स्पष्ट करता है कि देश पर राज कर रही भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता। इन्हीं दो प्रसंगों ने संघ की चिंता बढ़ा दी हे, यद्यपि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अब तक इन दोनों घटनाक्रमों के संदर्भ में कुछ नही कहा है, किंतु वे चिंतित अवश्य है और अपने संघ के भावी अस्तित्व के प्रति गंभीर भी। अब इस स्थिति में यह भी संभव है कि संघ प्रमुख भागवत जी स्वयं अपने अस्तित्व की चुनौति को स्वीकार लें और अपने ही स्तर पर संघ को हर दृष्टि से मजबूत और आदर्श संगठन बनाने की ठान ले, इस घटना के बाद संघ प्रमुख की अपनी राष्ट्रव्यापी शाखाओं के प्रति बढ़ी सक्रीयता तो यही संदेश दे रही है, अब उन्होंने देश के सभी राज्यों के संघ प्रमुखों से जीवंत सम्बंध बनाए रखने तथा समय–समय पर उनसे चर्चा करते रहने का भी निश्चय कर लिया है, इसलिए अब संघ ने भाजपा शासित राज्यों में भी अपनी सक्रीयता बढ़ा दी है तथा वह अब अपने अस्तित्व की रक्षा में पूरी तरह जुट गया है। संघ की इस सक्रीयता से भाजपा तथा केन्द्र की चिंता बढना स्वाभाविक है, इसलिए राज्यों के भाजपा प्रमुखों के केंद्रीय संगठन से गोपनीय आदेश जारी किए गए है, जिनमें संघ की दैनंदिनी गतिविधियों पर तीखी नजर रखने को कहा गया है, अर्थात् अब संघ और भाजपा दोनों की ही एक–दूसरे पर तीखी नजर है। आज संघ की सबसे बड़ी और अहम् शिकायत ही यही है कि आजादी से अब तक के पचहत्तर वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश समय कांग्रेस ही सत्ता में रही किंतु कांग्रेस के शासनकाल में भी संघ की इतनी उपेक्षा नही की गई, जितनी पिछले एक दशक से केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही है, अटल–आडवानी जी के राज में भी संघ का निर्णायक अस्तित्व कायम था, जो आज नजर नही आ रहा है और फिर संघ की केरल बैठक में जाकर भाजपाध्यक्ष का दो टूक कथन अपने आपमें भाजपा संघ के रिश्तों के लिए काफी महत्व रखता है। आज संघ में हर स्तर पर यही बिन्दू विशेष मंथन का विषय बना हुआ है और संघ तथा भाजपा के भावी सम्बंधों पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा रकता है, इसी संभावना को दृष्टिगत रखते हुए दोनों ही संगठनों ने अपने–अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए एक–दूसरे से सम्बंधों पर गंभीर चिंतन शुरू कर दिया है, भाजपा ने जहां अपने शासित राज्यों में संघ की गतिविधियों पर तीखी नजर रखना शुरू कर दिया है, वही संघ ने और अधिक शाखाओं में वृद्धि कर इसे पूरे राष्ट्र में हर स्तर पर कायमी कर उन्हें सक्रिय करने का फैसला लिया है, ऐसी स्थिति में यदि यह माना जाए कि देश में भाजपा व संघ पृथक संगठन बन गए है, तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि भाजपा जहां सत्ता के मद में है तो संघ अपना पुरातन वजूद कायम रखने की चिंता में। अब इस स्थिति का परिणाम क्या होगा? यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु भाजपा व संघ के बुजूर्ग वर्ग इस स्थिति को लेकर चिंता मग्न अवश्य है।

लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह

शकील अखघ्तर

जिसने भी पिछले दो दिन राहुल की यात्रा देखी है उसकी समझ में आ गया है कि राहुल ने हरियाणा में कांग्रेस की हवा को आंधी में बदल दिया। लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह है।ज् यात्रा का महत्व समझकर उन्होंने यह हरियाणा में तीसरी यात्रा निकाल दी। और हरियाणा के मिजाज को पुख्ता कर दिया। जनता जो सोच रही थी कि अब भाजपा को हराना है वह राहुल ने पक्का करवा दिया।

अब बस हरियाणा चुनाव की वोटिंग बची है। जैसी हवा है उसे देखते हुए तो लोगों की निगाह 5 अक्टूबर के मतदान पर नहीं बल्कि सीधे 8 अक्तूबर की काउन्टिंग पर है और इंतजार है कि कांग्रेस को कितनी सीटें मिलती हैं। बीजेपी और उसका मीडिया दोनों मान चुके हैं कि भाजपा नहीं जीत रही। बड़े साफ तौर पर बीजेपी के नेता कह रहे हैं कि बहुमत नहीं मिलेगा मगर 2019 की तरह जोड़ तोड़ कर सरकार हम ही बनाएंगे। जनता से ज्यादा उन्हें अपने जोड़ तोड़ करने की क्षमता पर भरोसा है। लेकिन इसके बावजूद भी वे कांग्रेस को बहुमत से थोड़ी कम सीटें तो बोल रहे हैं। मतलब भाजपा और गोदी मीडिया मन मार कर भी कांग्रेस को भाजपा से आगे बता रहा है। लेकिन क्या यही हरियाणा की सही तस्वीर है। नहीं! जिसने भी पिछले दो दिन राहुल की यात्रा देखी है उसकी समझ में आ गया है कि राहुल ने हरियाणा में कांग्रेस की हवा को आंधी में बदल दिया। लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह है। कांग्रेसियों को यह बात समझना चाहिए। यहां हर कांग्रेसी नेता खुद को खुदा मानता है। और दूसरे कांग्रेसी को कुछ नहीं। उसके इसी मिथ्याभिमान के कारण पहले कांग्रेस ने राजस्थान हारा और इस बार हरियाणा में हारना चाह रही थी।

मगर समय रहते राहुल गांधी ने सही स्टैंड ले लिया। और हरियाणा में यात्रा शुरू कर दी। हालांकि कहा तो उन्होंने हंसते हंसते है कि कांग्रेस के शेर कभी कभी आपस में लड़ जाते हैं। और मेरा काम इन्हें फिर से एक करना है। वे भूपेन्द्र हुड्डा और कुमारी सैलजा दोनों के पीछे जाकर खड़े हुए और दोनों के हाथ उपर उठाकर मिलवा दिए। अगर कांग्रेस के क्षत्रपों में जरा भी शर्म है, कुछ शराफत बची है तो उन्हें समझना चाहिए कि उनकी पार्टी का सबसेबड़ा नेता खुद पीछे होकर उन्हें आगे कर रहा है। क्या मोदी जी कभी ऐसा कर सकते हैं? राहुल ने कहा कि हमारे कुछ नेता भाजपा में चले जाते हैं और वहां तो ऐसा कर नहीं सकते जैसा हमारे यहां करते हैं। हम तो एडजस्ट कर लेते हैं। मगर वहां तो उन्होंने उतरा हुआ चेहरा बना कर बताया कि ऐसे बैठना पड़ता है। यहां तो हंसते हैं मजाक करते हैं। और जो उन्होंने बोला नहीं वह यह कि कांग्रेस की ऐसी तैसी करते हैं।

चुनाव प्रचार के दूसरे कार्यक्रम रोड शो, आमसभा पारंपरिक होते हैं। वैसे ही इसमें भाषण होते हैं। मगर यह पहली बार राहुल ने चुनाव के दौरान जो यात्रा निकाली वह एक बहुत सफल प्रयोग रहा। एक तो हजारों लोग इससे जुड़े दूसरे पूरे दिन जनता के साथ रहने से नेता के दिमाग में भी मौलिक विचार आते हैं। राहुल कोई मोदी जी की तरह टेलिप्राम्पटर पर पढ़कर तो बोलते नहीं हैं। वे तो जो जनता से सीखते हैं उसी को आगे बढ़ाते हैं।

हमारे यहां पाखंड बहुत है। यह माना ही नहीं जाता कि जनता से सीखा जा सकता है। नेता तो उसे सिखाने जाता है। मगर दुनिया भर में जनता ही राजनीति की सबसे बड़ी शिक्षक मानी जाती है। गोर्की ने लिखा है माय यूनिवर्सिटिज। मेरे विश्वविध्यालय। उसमें आम जनता को ही विश्वविध्यालय बताया गया है। मैकिस्म गोर्की रूस के महान उपन्यासकार थे। तो हमारे यहां नेता जनता को सिखाता है। अपने मन की बात करता है। राहुल यही कहते हैं कि मैं आपके मन की बात सुनना चाहता हूं। तो खैर यात्रा में राहुल ने बहुत सारी ऐसी बाते कहीं जो आम तौर पर होती नहीं हैं। उन्होंने एक अच्छी मिसाल दी। टीवी ने तो यह सब दिखाया नहीं। अखबारों में भी नहीं है। लोगों को कैसे मालूम चले? हम बताते हैं। राहुल ने कहा एक शर्ट जो अंबानी खरीदता है उस पर वह भी उतना ही टैक्स देता है जितना एक गरीब आदमी अपने बेटे के लिए उसकी शादी के लिए एक एक पैसा इकठ्ठा करके खरीदते हुए देता है। ऐसे ही अपने बच्चे के लिए मिठाई खरीदते हुए गरीब उतना ही देता है जितना अंबानी अपने शौक के लिए खरीदते हुए।

ठीक है दोनों बराबर टैक्स देते हैं। मगर फिर अंबानी, अडानी के हजारों करोड़ रुपए के कर्जे क्यों माफ किए जाते हैं। और गरीब का एक पैसे का कर्ज नहीं! उन्हें सरकारी खरीद में एयरपोर्ट, बंदरगाह, रेल्वे स्टेशन पर छूट छूट। और किसान की फसल एमएसपी पर खरीद भी नहीं। राहुल ने साफ घोषणा की कि जितना पैसा मोदी जी ने अंबानी, अडानी को दिया है वह सब उनसे वापस लेकर मैं किसान मजदूर गरीब को दूंगा।

इसी संदर्भ में उन्होंने अंबानी की शादी का मजेदार जिक्र किया। लोगों से पूछा टीवी पर देखी। जनता के कहा हां। राहुल ने कहा कभी किसी किसी किसान मजदूर की शादी टीवी पर देखी। जनता आश्चर्यचकित! चुप ! उसके दिमाग में पहली बार अपने बच्चे और अंबानी के बच्चे के बीच फर्क समझ में आया। वोट तो उसका भी एक है अंबानी का भी एक। मगर अंबानी की शादी कई कई दिन तक टीवी पर चलती है। खाने और डांस चलते हैं। और सबसे बड़ी बात जो राहुल ने पूछी कि मोदी जी वहां दिखे? जनता ने कहा दिखे। और राहुल दिखा? जनता के एक सैंकड में समझ में आ गया कि यह फर्क है।

राहुल अब नेता हो गए हैं। उन्होंने जनता को समझा दिया कि राहुल और मोदी में क्या फर्क है। राहुल किसानों के बीच धान की रोपाई करता है। और मोदीजी अंबानी की हजारों करोड़ की शादी में जाते हैं।

यहां यह बता दें कि पिछले दिनों जिन वीडियो की बहुत चर्चा हुई थी राहुल के खेत में धान रोपते हुए उस खेत के किसान संजय ने मंगलवार को उस धान से निकला चावल लाकर राहुल को भेंट किया। राहुल की बोई हुई फसल से निकला अनाज।

यह तो खेत की बात थी। मगर अब ऐसा ही राजनीति में होने लगा है। राहुल को यहां केवल फसल बोना ही नहीं थी। बल्कि उससे पहले बंजर हो गए खेत तैयार भी करना थे। 2011– 2012 के बाद से कांग्रेस की जमीन सूखती चली गई। इसे फिर से आबाद करना बहुत बड़ी चुनौति थी। मोदी इसलिए निरद्वंद शासन कर रहे थे। मगर राहुल ने दो यात्राएं निकालकर कांग्रेस की सुखी जमीन को फिर हरा–भरा कर दिया। और यात्रा का महत्व समझकर उन्होंने यह हरियाणा में तीसरी यात्रा निकाल दी। दो यात्राओं में तो वे यह कहने से बचते रहे कि यह राजनीतिक यात्राएं हैं। मगर यह तीसरी और बिल्कुल छोटी तो पूरी तरह राजनीतिक यात्रा थी। और छोटी क्या उन दो विशाल यात्राओं के सामने तो बिन्दू भी नहीं। मगर प्रभाव में बहुत आगे। हरियाणा के मिजाज को पुख्ता कर दिया। जनता जो सोच रही थी कि अब भाजपा को हराना है वह राहुल ने पक्का करवा दिया। लेकिन यह चुनाव है कुछ भी हो सकता है। ऐसा कहा जाता है। मगर क्या यह सच है। नहीं। कभी नहीं रहा। ऐसी अनिश्चितता जनता के मिजाज में नहीं होती है। मगर अब एक कारण से आखिरी आखिरी तक संशय बना रहता है। और वह है चुनाव आयोग। अब यह कहा जाने लगा है कि चुनाव जनता वर्सेस चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। पता नहीं। लेकिन अगर होने भी लगा है तो चुनाव आयोग को यह समझ लेना चाहिए कि जनता से जीतने की होड़ न करे। जनता ने बड़े बड़े राज सिंहासन उठा कर फेंक दिए हैं। चुनाव आयोग बहुत छोटी चीज है। जनता जो चाह रही है उसे होने दें। और 8 अक्टूबर को बता दें। इतने स्पष्ट माहौल के बाद जनता इसमें घालमेल बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगी।

सिंगौरगढ़ किला, दमोह : मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर

–अरूण शर्मा

मध्यप्रदेश के दमोह जिले में स्थित सिंगौरगढ़ किला, रानी दुर्गावती के शासनकाल की महत्वपूर्ण धरोहर है। यह किला केंद्रीय संरक्षित स्मारक है। पहाड़ी पर स्थित यह किला अपनी अद्वितीय स्थापत्य कला और सामरिक महत्व के कारण सदियों से एक महत्वपूर्ण किलेबंदी के रूप में पहचाना गया है।

सिंगौरगढ़ किला दमोह के दक्षिण–पूर्व में स्थित है। यह किला पहाड़ी की चोटी पर बनाया गया है, जिसे कलचुरी राजवंश द्वारा निर्मित किया गया था। इस किले का महत्व बढ़ाने में कई राजवंशों का योगदान रहा है। समय–समय पर इसमें विभिन्न निर्माण और सुदृढ़ीकरण कार्य किए गए, जिनके अवशेष आज भी इस किले में देखे जा सकते हैं।

–सिंगौरगढ़ किले का ऐतिहासिक महत्वरूसिंगौरगढ़ किले का नाम इतिहास में विशेष रूप से रानी दुर्गावती के शासनकाल से जुड़ा हुआ है। इस किले की दीवारें और परकोटे इसे दुश्मनों से सुरक्षित रखने के लिए विशेष रूप से निर्मित किए गए थे। इसके चारों ओर लगभग 8 किलोमीटर की लंबाई में फैला बाहरी परकोटा है, जो किले की बाहरी सुरक्षा सुनिश्चित करता था। किले के अंदरूनी हिस्से में भी एक परकोटा है, जिसे अन्तरू किलेबंदी के रूप में उपयोग किया जाता था। किले के भीतर रानी महल, विशाल जल कुंड, मंदिरों के अवशेष और अन्य स्थापत्य संरचनाएं हैं, जो इसके गौरवशाली इतिहास की गवाही देती हैं।

किले का निर्माण पूरी तरह से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किया गया है। इसमें बड़े अनगढ़ पत्थरों का उपयोग किया गया है और दीवारों को मजबूत बनाने के लिए चूना और मिट्टी का उपयोग किया गया है। किले के ऊपर विभिन्न संरचनाएं, जैसे रानी महल और अन्य स्थापत्य धरोहरें, इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।

–संरक्षण कार्य रू अतीत को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयासरूसिंगौरगढ़ किला संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल है। इसके संरक्षण का कार्य 4 चरणों में किया जा रहा है। प्रत्येक चरण में किले के विभिन्न भंग हिस्सों का जीर्णोद्धार कर इनका संरक्षण और पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसमें मुख्यतरू किले के बाहरी और आंतरिक दीवारों का संरक्षण, सीढ़ियों की मरम्मत, रानी महल की छत की मरम्मत और किले के अन्य संरचनाओं की मरम्मत का कार्य शामिल है। इसके लिए कुल 8.83 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं। किले के महत्वपूर्ण हिस्सों की मरम्मत और संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2020–21 में परियोजना के पहले चरण में 1 करोड़ 4 लाख रूपये के कार्य किये गये।

पहले चरण में किले के मुख्य प्रवेश द्वार (हाती गेट) का संरक्षण कार्य पूरा किया गया। इस चरण में हाथी गेट के प्रवेश मार्ग की मरम्मत, रिटेनिंग दीवार का निर्माण, पुराने प्लास्टर को हटाकर नए प्लास्टर का कार्य और गुम्बद की मरम्मत भी शामिल थी। साथ ही किले के परिसर में सैंड स्टोन फ्लोरिंग और लाईम कांक्रीट कार्य भी किया गया। यह कार्य वित्त वर्ष 2023–24 में पूरा हुआ।

–भविष्य की योजनाएं और चरणबद्ध कायरूअगले चरण में रानी महल, किले की सीढियों और कंगूरों की मरम्मत की जाएगी। बलुआ पत्थर के स्तंभों, पत्थर की बेंचों और अन्य स्थापत्य धरोहरों की भी मरम्मत की जाएगी। इस किले के संरक्षण कार्य का उद्देश्य इसे न केवल ऐतिहासिक रूप से सुरक्षित रखना है, बल्कि इसे पर्यटन के लिहाज से भी विकसित करना है, ताकि इसे मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल किया जा सके।

–प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर का संगमरूसिंगौरगढ़ किला एक ऐतिहासिक स्थल होने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य से भी परिपूर्ण है। यह किला सिंग्रामपुर के आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित है, जो इसे प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का अनूठा संगम बनाता है। किले के आसपास का दृश्य बहुत ही मनोहारी है और यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है।

–पर्यटन और रोजगार के अवसररूसंरक्षण कार्य से किले को न केवल संरक्षित किया जा रहा है, साथ ही इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। किले के संरक्षण के साथ–साथ, इसके आसपास के क्षेत्रों में भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी योजनाएं बनाई जा रही हैं।

झारखंड में भाजपा के लिए एक नई चुनौतीःकल्पना सोरेन

हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के रिजल्ट से पहले भाजपा झारखंड को लुभा लेना चाहती है। ८ अक्टूबर को क्या होगा इसका शायद उसे अंदाजा है। इसलिए उसने पंचप्रण के नाम से झारखंड में घोषणाओं की बौछार कर दी। मजेदार बात यह है कि यह ऐसी घोषणाएं हैं जो वह पहले दूसरे राज्यों में भी कर चुकी है। मगर जीतने के बाद भूल भी गई। नाम रखने में तो वह माहिर है। सूरदास का नाम नयनसुख रख सकती है। तो लक्ष्मी जोहार के नाम से पांच में एक योजना ५०० रुपए में गैस सिलेंडर है। राजस्थान में यह वादा था। मगर किसी महिला को नहीं मिला। इसी योजना जिसे बहुत बड़ा नाम प्रण कहा गया है, में दो सिलेंडर मुफ्त देने का भी वादा है। अभी अमित शाह ने तो कश्मीर में ईद और मोहर्रम पर एक–एक सिलेंडर मुफ्त देने की घोषणा की थी। वहां तो अभी रिजल्ट आना है। मगर देखा जाए तो इसका रिजल्ट से क्या ताल्लुक? गैस सिलेंडर तो केन्द्र सरकार के क्षेत्राधिकार में है। अमित शाह को देना चाहिए। लेकिन आज तक किस राज्य में बीजेपी की सरकार मुफ्त सिलेंडर दे रही है और कहां ५०० रुपए में? हरियाणा, जम्मू–कश्मीर का नतीजा आने दीजिए लोग अब यह सवाल पूछेंगे। लोगों में डर खत्म हो रहा है। दूसरी मजेदार घोषणा है सुनिश्चित रोजगार! यह वादा करने से पहले वे भूल गए कि हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में जैसा एक्जिट पोल कह रहे हैं, वैसा ही रिज्ल्ट आया, तो इसका सबसे बड़ा कारण रोजगार ही होगा। दोनों जगह दस साल से इनकी सरकार थी। मगर एक नौकरी नहीं दी। न केन्द्र में न राज्य में। और जो नौकरियां थीं सेना में उसे भी खत्म करके अग्निवीर की बिना पेंशन और सिर्फ चार साल की बना दी। बाकी सुरक्षा बलों में भी भर्ती बंद है। हरियाणा के साथ जम्मू का युवा भी सेना और सुरक्षा बलों में सबसे ज्यादा जाता था मगर अब उसका वह रास्ता भी बंद कर दिया। लेकिन यहां झारखंड में वे नौकरियों की घोषणा नहीं बल्कि प्रण कर रहे हैं। यह बड़े–बड़े शब्द भोले, सरल लोगों को कितनी पीड़ा पहुंचाते हैं इसका बीजेपी को अंदाजा नहीं है। हम टिहरी उत्तराखंड का वह दिन कभी नहीं भूल सकते जब टिहरी डेम में पानी छोड़ा जा रहा था और टिहरी नगर डूब रहा था। तब औरतें रो–रोकर कह रही थीं कि– भाजपा के नेताओं ने हमारे हाथ में गंगाजल देकर यह संकल्प करवाया था कि टिहरी नहीं छोड़ेंगे। अब क्या होगा हमारे संकल्प का? पुलिस हमें यहां से ले जा रही है। केन्द्र में वाजपेयी की सरकार थी। टिहरी डेम केन्द्र सरकार का ही प्रोजेक्ट था। हमने दिल्ली वापस लौटकर भाजपा के नेताओं से पूछा कि बाकी सब ठीक है। मगर महिलाओं से ऐसा संकल्प क्यों करवाते हैं जिसे पूरा न कर सकें। और वे जीवन भर अपराधबोध से ग्रस्त रहें। कोई जवाब नहीं था। बस फर्क इतना था कि उल्टे हमसे कोई सवाल नहीं पूछने लगा था। आज तो आप किसी से यह कह दो वह उल्टा आप पर ही आरोप लगाने लगता है। मगर खैर लोकसभा में साधारण बहुमत भी न मिलने और अब हरियाणा. जम्मू–कश्मीर में हार की आहट से भाजपा के लोगों और उसकी गोदी मीडिया की उग्रता में कमी आई है और जनता के बीच डर का माहौल कम हुआ है। चुनाव नतीजों का अगर ऐसा ही ट्रेंड चलता रहा तो जल्दी आप देखेंगे कि जैसे वादे झारखंड में भाजपा ने किए हैं उन पर फिर जनता ही सीधे सवाल पूछने लगेगी कि भाईसाहब क्या आपने बिल्कुल ही बेवकूफ समझ लिया है? जैसे एक और प्रण है गोगो दीदी योजना। गोगो संथाली में मां को कहा जाता है। इसके फार्म भरवाना भी भाजपा ने शुरू कर दिए। इसमें महिलाओं को २१०० रुपए महीना देने का प्रण है। जबकि हेमंत सोरेन सरकार पहले से मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को एक हजार रुपए महीना दे रही है। केवल नाम बदल कर और राशि बढ़ाकर नई योजना बताई जा रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चे (जेएमएम) के नेता इस पंचप्रण को प्रपंच कह रहे हैं। उनके नेता सुप्रिय भट्टाचार्य ने कहा कि महिला सशक्तिकरण बात कर रहे हैं। संसद विधानसभाओं में ३३ प्रतिशत महिला आरक्षण का प्रस्ताव पास कर दिया। मगर अभी हमारे यहां चुनाव है लागू कर दो। मगर नहीं वह जब जनगणना होगी जिसका कोई पता नहीं है उसके बाद सोचेंगे। जेएमएम बीजेपी के महिला पिच पर आने से बहुत खुश है। यहां वह खुद को बहुत मजबूत समझ रही है। और उसका कारण है कल्पना सोरेन। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जेल जाना जेएमएम के लिए एक बड़ा मुश्किल समय था। चंपई सोरेन पर विश्वास करके जेएमएम ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया मगर उन्होंने ऐसा विश्वासघात किया कि झारखंड में ही नहीं देश में भी किसी को विश्वास नहीं हुआ। लेकिन इस बुरे समय ने ही जेएमएम को एक ऐसा सितारा दे दिया जिसका खुद उसे अंदाजा नहीं था। एक सामान्य घरेलू महिला कल्पना सोरेन का कायाकल्प हो गया। हालांकि भारतीय नारियों की यह पुरानी परंपरा है कि पति पर संकट आने पर वे अचानक रणचंडी बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही कल्पना सोरेन के साथ हुआ। वे विधानसभा का उपचुनाव लड़ीं और विधायक बन गईं। हेमंत सोरेन जब जेल में थे तो वे इंडिया गठबंधन की बैठकों में शामिल हुईं। सोनिया गांधी ने खुद आगे बढ़कर उनका हाथ पकड़कर अपनी बगल में बिठाया। बहुत कम समय में वे नेशनल मीडिया में छा गईं। और अब जेएमएम उनका सर्वोत्तम उपयोग कर रहा है। उसने पूरे झारखंड में मंईयां सम्मान यात्रा शुरू कर दी। महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए। इसमें जेएमएम की दूसरी महिला नेता तो जा ही रहीं हैं। मगर सबसे ज्यादा क्रेज कल्पना सोरेन का है। भाजपा समझ गई है कि इस बार उसे एक नई नेता जो बहुत तेजी से लोकप्रिय हुई हैं, खासतौर से महिलाओं में, उनका मुकाबला करना पड़ेगा। इसलिए मोदी जी चुनाव की घोषणा से पहले ही दो दौरे कर चुके हैं। जमशेदपुर और हजारीबाग। मगर हजारीबाग जो बीजेपी का गढ़ माना जाता है वहां भी भीड़ नहीं थी। दूसरी तरफ कल्पना सोरेन की यात्रा में लोग खासतौर से महिलाएं भारी संख्या में शामिल हो रही हैं। जिन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में महिलाएं ५– ६ बजे शाम के बाद घर से नहीं निकलतीं वहां रात साढ़े आठ बजे कल्पना सोरेन निकलती हैं तो महिलाएं सड़क पर खड़ी मिलती हैं। और मजेदार बात यह है कि केवल जेएमएम के झंडे के साथ नहीं कांग्रेस के झंडे वाली महिलाएं भी वहां होती हैं। यह वह इलाका है सारंडा जंगल के पार का जहां बाजार भी शाम को सूरज ढलने से पहले ही बंद हो जाते हैं। परिस्थितियोंवश एक महिला नेता का उदय हो जाना जेएमएम के लिए वरदान बन गया। अभी जिन दो राज्यों जम्मू–कश्मीर, हरियाणा में चुनाव हो चुके और जिन दो राज्यों में महाराष्ट्र, झारखंड में होना हैं, वहां केवल झारखंड ही ऐसा है जहां इंडिया गठबंधन को अपनी सरकार बचाना है। बाकी तीन राज्यों में उसे भाजपा एनडीए से छीनना है। इसलिए सरकार बचाने की लड़ाई बाकी तीन राज्यों के मुकाबले मुश्किल है। मगर कल्पना सोरेन का जो एक नया फैक्टर आया है उसका तोड़ ढूंढना भाजपा के लिए आसान नहीं है। महिला नेता उसके पास झारखंड में तो क्या अब देश में भी नहीं है।

सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष की जमानत अर्जी पर 18 को सुनवाई

- मंदिरों से साईं प्रतिमा हटवाने का मामला

वाराणसी। वाराणसी शहर के मंदिरों से साईं प्रतिमा जबरन हटवाने और उन्हें तोड़ने के आरोपी सनातन रक्षक दल के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा की अग्रिम अंतरिम जमानत अर्जी प्रभारी जिला जज की अदालत में सोमवार को प्रस्तुत की गई। अदालत ने पत्रावली पर सुनवाई के लिए 18 अक्तूबर की तिथि नियत की है। बड़ी पियरी निवासी अजय शर्मा बीते दो महीने से शहर के मंदिरों से साईं प्रतिमा हटवा रहे थे। वह 14 मंदिरों से साईं प्रतिमा हटवा चुके थे। बीते तीन अक्तूबर की भोर में अचानक पुलिस ने अजय शर्मा को हिरासत में लिया। अजय का चौक थाने की पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में चालान किया।

इसके बाद चौक और सिगरा थाने में धार्मिक भावनाओं को आहत करने सहित अन्य आरोपों में दो मुकदमे दर्ज किए गए। उन्हीं दोनों मुकदमों में अजय शर्मा की अग्रिम अंतरिम जमानत अर्जी प्रभारी जिला जज की अदालत में प्रस्तुत की गई। उधर, चौक थाने की पुलिस की न्यायिक रिमांड की अर्जी पर अदालत ने मंगलवार को अजय शर्मा को जिला जेल से तलब किया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर रही है पुलिस

अजय शर्मा के अधिवक्ता विवेक शंकर तिवारी ने कहा कि कमिश्नरेट की पुलिस सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर रही है। शांतिभंग के आरोप में अजय को गिरफ्तार किया गया। इस पर जमानत के लिए अर्जी दी गई। मगर, तकनीक के इस दौर में भी शनिवार से सोमवार तक जमानतदारों का सत्यापन ही हो रहा है। अजय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की जिन धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, उनमें अधिकतम सात साल तक की सजा का प्रावधान है। अधिकतम सात साल की सजा तक वाले अपराध के आरोपी को गिरफ्तार ही नहीं किया जा सकता है, लेकिन पुलिस ने मनमानी की। गत मार्च महीने में अजय की ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी। ऐसे में यदि अजय को स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत हुई तो उसके लिए पुलिस जिम्मेदार होगी।

सूरत से गिरफ्तार हुआ किशोरी को भगा ले जाने वाला 15 हजार का इनामी

मऊ। स्थानीय कोतवाली पुलिस किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाले 15 हजार के इनामिया बदमाश को गुजरात के सूरत से गिरफ्तार कर ले आई और सोमवार को न्यायालय भेज दिया। बीती छह मार्च को कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया था। किशोरी की मां ने मुकदमे दर्ज कराया था। इसके मुताबिक छह मार्च की दोपहर एक युवक उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गया था। मुकदमा दर्ज कर पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस छानबीन कर रही थी। जांच में कोतवाली क्षेत्र के बीबीपुर निवासी प्रदीप निषाद का नाम सामने आया। पुलिस के तमाम प्रयासों के बाद भी प्रदीप हाजिर नहीं हुआ जिसके बाद पुलिस ने उसके ऊपर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस गुजरात प्रांत के सूरत स्थित मेडिकल कॉलेज ओपलाड से बीते चार अक्तूबर को गिरफ्तार कर लिया। मऊ लाकर सोमवार को उसे न्यायालय भेज दिया।

सरकारी योजनाओं में घोर लापरवाही, कराएं जांच : सांसद

चंदौली। जिले में पीएम आवास, पंचायत भवन, पीएम ग्रामीण सड़क के निर्माण और फसल बीमा समेत अन्य योजनाओं में घोर लापरवाही बरती जा रही है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) बैठक में सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने यह बात कही। साथ ही डीएम निखिल टीकाराम फुंडे से इसकी जांच कराने और लाभार्थियों की सूची जन प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के लिए कहा। बैठक में सांसद ने मनरेगा उपायुक्त से ग्रामीण इलाकों में मनरेगा सेल तहत हो रहे विकास कार्यों और मानक के बारे में पूछा। सांसद ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में मानक के अनुसार काम नहीं हो रहे हैं। इस मामले में उन्होंने सीडीओ की अध्यक्षता में जांच समिति गठित कर रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा सांसद ने आरोप लगाया कि कई अपात्रों को भी प्रधानमंत्री आवास योजना लाभ दिया गया है। उन्होंने इसकी भी जांच कराने और सभी योजनाओं के लाभार्थियों की सूची सात दिनों के अंदर उपलब्ध कराने को कहा सपा विधायक प्रभुनारायण ने कहा कि 10 वर्षों से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत एक भी नई सड़क का निर्माण जिले में नहीं कराया गया। इसका कोई प्रस्ताव क्यूं नहीं लाया गया, इसके लिए संबंधित विभाग को जवाब देना चाहिए। इस दौरान सांसद ने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में राबर्ट्सगंज के सपा सांसद छोटे लाल, भाजपा की राज्यसभा सांसद साधना सिंह, भाजपा विधायक सुशील सिंह, रमेश जायसवाल, कैलाश आचार्य के अलावा विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

आरक्षण केंद्र पर दो पक्षों में मारपीट, पथराव

सैयदराजा। रेलवे स्टेशन के आरक्षण केंद्र पर रविवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान पथराव भी हुआ, जिससे छह लोग घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। टिकट लेने के लिए कुछ लोग सैयदराजा रेलवे स्टेशन पर रविवार की रात ही लाइन में लग गये थे। इस दौरान नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या एक और दो के दो लोगों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। कुछ ही देर में दोनों में मारपीट और पत्थराव होने लगा, जिससे दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए।

डॉक्टरों की लगेगी बायोमिट्रिक उपस्थिति

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद ने जिला अस्पताल में साफ–सफाई, डाक्टरों की संख्या और उनकी उपस्थिति के बारे में जानकारी मांगी। इस पर सीएमओ ने बताया कि जिला अस्पताल में 25 और मेडिकल कॉलेज में 27 डॉक्टर उपलब्ध हैं। अब इनकी बायोमिट्रिक हाजिरी की व्यवस्था की जा रही है।

151 लाख से गड्ढ़ा मुक्त होंगी जिले की सड़कें

बैठक में प्रतिनिधियों ने गड्ढ़ा मुक्त सड़क अभियान के बारे में जानकारी मांगी। इस पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि 106 सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए शासन से 151 लाख रुपये की मांग की गई है। 31 अक्तूबर तक यह पूरा करने का लक्ष्य है।

सीएचसी सारनाथ में शुरू हुई फिजियोथेरेपी की ओपीडी

वाराणसी। शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारनाथ में फिजियोथेरेपी ओपीडी की शुरूआत हो गई है। यहां व्यायाम के साथ–साथ इलेक्ट्रोथेरेपी मशीन से बुजुर्ग मरीजों का उपचार किया जा रहा है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आयुक्त सभागार से इसका उद्घाटन किया था। ओपीडी की खासियत यह है कि यहां मरीजों को व्यायाम भी करवाया जा रहा है। सोसाइटी ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ओरिएंटेड ऑपरेशनल लिंक्स संगठन की ओर से संचालित फिजियोथेरपी ओपीडी के बारे में सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिमन्यु सिंह ने बताया कि 60 से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गों का इलाज ओपीडी में होता है। मरीजों को घर से ले जाने के लिए एंबुलेंस की सेवाएं भी दी जा रही हैं। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. देवांशु राय ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर इलेक्ट्रोथेरेपी मशीन से गठिया, गर्दन दर्द, पीठ दर्द, साइटिका, कंधे का दर्द, तंत्रिका संपीड़न, जोड़ों की पुरानी समस्याओं का इलाज किया जाता है। मांसपेशियों के लिए अलग–अलग व्यायाम भी करवाए जाते हैं। हर दिन 20 से अधिक मरीजों की ओपीडी होती है।

एमसीएच विंग में महिला की नॉर्मल डिलीवरी, जांच में निकली एचआईवी पॉजिटिव

वाराणसी। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल परिसर के एमसीएच विंग में डॉक्टरों ने एक महिला की नॉर्मल डिलीवरी करवाई। इसके बाद हुई जांच में उसकी एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। एहतियातन लेबर

रूम और उपकरणों को सैनिटाइज करवा कर सील किया गया। महिला एमसीएच विंग में भर्ती है। प्रोटोकॉल के साथ उसका इलाज किया जा रहा है। अब सैनिटाइजेशन के प्रोटोकॉल के बाद लेबर रूम में डिलीवरी होगी। 50 बेड वाले एमसीएच विंग में शनिवार देर शाम 102 नंबर की एंबुलेंस से 24 साल की महिला आई। एंबुलेंस चालक एमसीएच विंग के गेट के पास उसे उतारकर चला गया। महिला ने इससे पहले हरहुआ के स्वास्थ्य केंद्र में दिखाया था। वहां डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों को उसके संक्रमित होने की जानकारी थी।

क्या बोले अधिकारी : तेज दर्द की वजह से महिला की तुरंत डिलीवरी करवाई गई। बाद में जांच में एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। महिला को जिस वार्ड में भर्ती किया गया है, वहां प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

सीए सहित तीन पर 41 लाख रुपये हड़पने के आरोप, दो मुकदमे दर्ज

वाराणसी। मयूर विहार कॉलोनी, फुलवरिया निवासी सीए सतीश कुमार चौबे और मोलनापुर गांव के त्रिभुवन नारायन तिवारी व उसकी पत्नी साधना तिवारी के खिलाफ 41 लाख रुपये हड़पने के आरोप में पुलिस आयुक्त के आदेश से चेतगंज थाने में दो अलग–अलग मुकदमे दर्ज किए गए हैं। यह

कार्रवाई मयूर विहार कॉलोनी, फुलवरिया निवासी व्यवसायी हरिशंकर उपाध्याय और महामना नगर कॉलोनी, करौंदी के मदनजीत कुमार सिंह की तहरीर पर की गई है। व्यवसायी हरिशंकर उपाध्याय ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2020 में सीए सतीश कुमार चौबे ने उनसे कहा कि उनके करीबी त्रिभुवन नारायन तिवारी अपनी पत्नी साधना के नाम से फर्म बना कर एलईडी बल्ब का व्यापार करते हैं। त्रिभुवन नारायण की फर्म की डीलरशिप लेने के लिए सीए सतीश ने उन्हें प्रोत्साहित किया। 15 सितंबर 2020 से 2022 तक उन्होंने कई किश्त में त्रिभुवन नारायण तिवारी की फर्म में 15 लाख रुपये का निवेश किया। मलदहिया स्थित सीए सतीश के कार्यालय में ही मीटिंग होती थी और लाभांश भी मिलता था। कुछ समय बाद उन्हें लाभांश मिलना बंद हो गया। इसके बाद एलईडी बल्ब दिया जाना भी बंद कर दिया गया। अब पैसा मांगने पर जानमाल की धमकी दी जाती है। उधर, व्यवसायी मदनजीत कुमार सिंह ने बताया कि सीए सतीश कुमार चौबे ने अपने करीबी त्रिभुवन नारायन तिवारी की पत्नी साधना के नाम से बनी फर्म के एलईडी बल्ब की डीलरशिप लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सीए सतीश की बातों में आकर उन्होंने 26 लाख रुपये का निवेश किया। उन्हें न लाभांश मिला और न बल्ब मिला। अब पैसा मांगने पर जानमाल की धमकी दी जाती है।

डीपीओ को 1 महीने पहले दी थी भ्रष्टाचार की सूचना,, विरोध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने दिया धरना

आगरा (यूएनएस)। पुष्टाहार में हो रहे भ्रष्टाचार के संबंध में हमने एक महीने पहले ही जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) को सूचना दे दी थी। लेकिन, हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बावजूद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। हमें फंसाया जा रहा है। आपूर्ति विभाग की टीम ने 27 सितंबर को नाई की मंडी के डेरा सरस में प्रवीण अग्रवाल के गोदाम पर छापा मारा था। चावल की काला–बाजारी का शक था। लेकिन, पुष्टाहार बरामद किया गया। इसमें चना की दाल और रिफाइंड के पैकेट थे।

चंदौली समेत पूर्वांचल १० जिलों में बनेंगे मॉडल सोलर विलेज

पीडीडीयू नगर। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के तहत चंदौली समेत पूर्वांचल के 10 जिलों में एक–एक गांव को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इन गांवों सोलर संयंत्र स्थापित कर सौर ऊर्जा से स्ट्रीट लाइट, सरकारी भवन, स्कूल और अस्पताल को बिजली दी जाएगी। सीडीओ के नेतृत्व में टीम का गठन कर जल्द ही किसी एक गांव का चयन किया जाएगा। पीएम सूर्य घर योजना के तहत जिले में एक गांव का चयन कर उसे एक करोड़ रुपये खर्च कर मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इस गांव का चयन जनसंख्या के आयार पर किया जाएगा। इसके लिए वही ग्राम पंचायत आवेदन कर सकेगी, जिसकी जनसंख्या पांच हजार से ज्यादा होगी। चयन के लिए विशेष प्रतियोगिता भी आयोजित कराई जाएगी।

सौर ऊर्जा से 24 घंटे दी जाएगी बिजली

चयनित गांव में सौर ऊर्जा संयंत्र से 24 घंटे बिजली देने की व्यवस्था की जाएगी। गांव की सभी सड़कों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। सरकारी भवनों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा सिंचाई के लिए सोलर पंप का उपयोग किया जाएगा।

31 दिसंबर 2025 तक विकास कार्य पूरा करने का लक्ष्य

वर्ष 2025 के दिसंबर माह तक डीपीआर तैयार करने व 31 दिसंबर 2025 तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चयनित गांव को एक करोड़ रुपये की सरकारी सहायता मिलेगी। इसमें 10 प्रतिशत धनराशि उस गांव में संचालित बैंक, डेयरी, सहकारी समिति, स्वयं सहायता समूह समेत अन्य लाभार्थी संस्थाओं से लिया जाएगा। शेष धनराशि केंद्र सरकार देगी।

जिले में मॉडल सोलर विलेज के रूप में एक गांव को विकसित करने के संबंध में प्रदेश सरकार के विशेष सचिव का पत्र प्राप्त हुआ है। इसके लिए शीघ्र ही समिति का गठन किया जाएगा, जिसके उपाध्यक्ष सीडीओ होंगे। जिला पंचायत राज अधिकारी और उप निदेशक कृषि समिति के सदस्य होंगे। – निखिल टीकाराम फुंडे, जिलाधिकारी, चंदौली।

बिना बीमा और नंबर के कई वर्षों से चल रहे नगर पालिका के वाहन

पीडीडीयू नगर। नगर पालिका पीडीडीयू नगर के वाहन कई वर्षों से बीमा और रजिस्ट्रेशन नंबर के बिना ही सड़कों पर चल रहे हैं। इन वाहनों पर टीपी यानी टंपरेरी परमिट नंबर भी अंकित नहीं है। यातायात नियमों की खुली धज्जियां उड़ाई जा रही हैं लेकिन परिवहन विभाग और पुलिस इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती। परिवहन विभाग की मेहरबानी से नगर पालिका के बिना नंबर के वाहन लंबे समय से चल रहे हैं। अलग–अलग समय पर खरीदे गए कई वाहनों का नगर पालिका ने रजिस्ट्रेशन ही नहीं कराया। इससे इन वाहनों की इंश्योरेंस की प्रक्रिया भी पूरी नहीं की गई। इससे दुर्घटना होने पर मुआवजे को लेकर पेंच फंस सकता है। नगर पालिका के 11 नए कूड़ा वाहनों को 2 अक्टूबर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। ये वाहन पूरे इलाके में चल रहे हैं लेकिन इन पर न तो टीपी नंबर लिखा है और न रजिस्ट्रेशन नंबर। नगर पालिका की ओर से वर्ष 1984 में स्कार्ट लोडर, 1995 में स्कार्ट 325 एम, 1998 में स्कार्ट 325, जेसीबी मशीन, 2007 में स्कार्ट 335 जोश, टाटा 709 डंफर, श्री व्हीलर, 2008 में बजाज हापर खरीदे गए थे। इनका रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया। वहीं, 2013 में दो टाटा एस, 2014 में टाटा रिफ्यूज कंपेक्टर, टाटा एस, दो टाटा 407, दो टाटा एस, वर्ष 2015 में एक टाटा एस और दो टाटा 407 खरीदे गए। इन वाहनों का भी पंजीकरण नहीं कराया गया। कई वाहन तो कबाड़ हो गए हैं लेकिन आज तक उन पर नंबर नहीं अंकित है। नगर पालिका के सफाई निरीक्षण शत्रुंजय को वाहनों से जुड़ी फाइलों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। सफाई निरीक्षक से जब नगर पालिका के पास मौजूद वाहनों और उनके रजिस्ट्रेशन नंबर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसकी जानकारी होने से इंकार कर दिया। उन्होंने नगर पालिका के पास कितने नए और पुराने वाहन हैं, इसकी कोई फाइल न होने की बात कही।

कैंट स्टेशन पर 5.211 किलो सोने के गहने के साथ यात्री हिरासत में, 4.08 करोड़ है आभूषण का मूल्य

वाराणसी। कैंट जीआरपी और आरपीएफ ने चेकिंग के दौरान सोमवार को एक यात्री के कब्जे से 4.08 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के आभूषण बरामद किए। यात्री के बैग से जीपीएस भी बरामद किया गया। यात्री के पास आभूषण से जुड़े न कोई कागजात थे और न ही वो कोई संतुष्ट जवाब नहीं दे सका। आयकर विभाग, एटीएस, आईबी और जीएसटी की टीम यात्री से पूछताछ कर रही है। फिलहाल रात तक यात्री से पूछताछ जारी रही। सीओ जीआरपी कुंवर प्रभात सिंह ने बताया कि जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या आठ से यात्री को बैग सहित हिरासत में लिया। यात्री की पहचान गुजरात के राजकोट श्रीकृष्णा चौक निवासी पटाड़िया राजेश घनश्यामभाई के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान यात्री ने बताया कि वह 5.211 किलोग्राम आभूषण राजकोट से लेकर पटना जा रहा था। अहमदाबाद–गोरखपुर ट्रेन से कैंट स्टेशन पहुंचा था और पटना जाने वाली ट्रेन में सवार होना था। 5.211 किग्रा सोने के आभूषण की कीमत 4 करोड़ आठ लाख रुपये आंकी गई है। कैंट इंस्पेक्टर हेमंत सिंह ने बताया कि आयकर विभाग की टीम ने यात्री से कई चक्र पूछताछ की लेकिन वह कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। पूछताछ के दौरान यात्री ने सिर्फ इतना बताया कि पटना में चार सराफा कारोबारियों को आभूषण की डिलिवरी देनी थी। राजकोट में वह सराफा कारोबारी के यहां काम करता है। बैग से जीपीएस भी बरामद हुआ। आयकर विभाग की टीम ने आभूषण जब्त कर लिया है। इतनी मात्रा में आभूषण लेकर सफर करना अपराध है। जीआरपी एसआई जयकरन सरोज, अश्विनी कुमार सिंह और आरपीएफ सीआईबी के फूलचंद्र यादव, प्रमोद कुमार यादव ने यात्री को बैग समेत पकड़ा।

जीपीएस से यात्री को ट्रेस कर रहा था सराफा कारोबारी : बैग से बरामद जीपीएस के बारे में यात्री से पूछताछ की गई तो वह जीआरपी को कुछ बता नहीं सका। वह भी नहीं जानता था कि बैग में जीपीएस है। जीआरपी इंस्पेक्टर हेमंत सिंह ने बताया कि राजकोट से ही जीपीएस एक्टिव था। सोना भेजने वाला जीपीएस के जरिये यात्री की निगरानी कर रहा था। राजकोट में अच्छी डिजाइन के परंपरागत आभूषण तैयार कराए जाते हैं।

जापानी दल ने देखा बौद्ध पर्यटन स्थल का विकास मश्वडल

सारनाथ। बौद्ध पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरे सारनाथ को यूपी और बिहार के प्रमुख बौद्ध पर्यटन स्थलों से जोड़ा जाएगा। सोमवार को 80 सदस्यीय जापानी प्रतिनिधिमंडल बाबतपुर पहुंचा। दल से सारनाथ के प्रमुख बौद्ध मंदिरों और पुरातत्व संग्रहालय का भ्रमण किया। बुद्धा थीम पार्क में आधे घंटे तक पर्यटन विकास से संबंधित प्रजेंटेशन देखा। जापानी बौद्ध धर्मगुरु सेंसुई केमुरा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का स्वागत उपनिदेशक पर्यटन आरके रावत और अधीक्षण पुरातत्वविद अविनाश मोहंती ने किया। करीब 40 मिनट पुरातत्व संग्रहालय में भ्रमण करने के बाद दल पुरातात्विक खंडहर परिसर में पहुंचा। यहां धमेख स्तूप, प्राचीन मूल गंध कुटी विहार की ऐतिहासिकता से रूबरू हुए। 3.40 बजे श्रीलंका मंदिर पहुंचा जहां पर भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष का दर्शन किया। महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव भिक्षु सुमितानंद थेरो के नेतृत्व में पूजन–अर्चन करने के बाद जापानी डेलीगेट्स बुद्धा थीम पार्क गए। यहां लखनऊ से आए प्रतिनिधिमंडल ने बौद्ध धर्मस्थलों के विकास ओर उसे आपस में जोड़ने और पर्यटन सुविधा विकास से संबंधित जानकारियां हासिल कीं। उपनिदेशक पर्यटन ने बताया कि जापानी दल को काशी के अलावा श्रावस्ती, संकिसा, कुशीनगर में पर्यटन विकास योजनाओं की जानकारी देने के लिए साथ बोधगया को इससे जोड़ने की जानकारी दी गई। सारनाथ के बारे में गाइड हरीशचंद्र ने बताया। इस मौके पर आरके मौर्या, जे राजू, रमेश यादव, रमेश सिंह, विजय यादव, अरविंद सिंह मौजूद रहे।

इस्राइल और ईरान के बीच तनाव से 500 करोड़ का अश्वर्डर कैंसिल

वाराणसी। यूक्रेन–रूस के बीच झगड़े से पूर्वांचल के निर्यातक उबर नहीं पाए थे कि इस्राइल–ईरान के बीच उपजे तनाव ने और परेशानी में डाल दिया है। कालीन, बनारसी साड़ी समेत अन्य जीआई उत्पादों का करीब 500 करोड़ का ऑर्डर फंस गया है। यूरोपीय देशों में कारोबार थम गया है। कालीन के लिए जर्मनी में लगने वाला अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला डोमोटैक्स भी निरस्त कर दिया गया है। 40 साल से इस मेले में बनारस, मिर्जापुर, भदोही समेत पूर्वांचल के निर्यातक हिस्सा ले रहे हैं। 12–15 जनवरी तक होने वाले आयोजन के रद्द होने की सूचना मिलते ही निर्यातकों को बड़ा झटका लगा है। यूरोपीय देशों में पानी वाले जहाज से माल जाता है। सबसे बड़ा ऑर्डर कालीन का होता है। ऑर्डर पर ही निर्यातक माल विदेश भेजते हैं और तीन से छह माह बाद हिसाब होता है। किसी किसी का साल भर तक हिसाब नहीं हो पाता है। अक्तूबर से जनवरी तक अच्छा कारोबार होता है। लेकिन इस्राइल और ईरान की वजह से ऑर्डर कैंसिल हो गए। माल तैयार होकर मुंबई के बंदरगाह पर है। कुछ निर्माताओं के माल फैक्ट्री से ही नहीं उठ सके, उनकी पूंजी फंस गई है। विजय कपूर ने बताया कि 500 करोड़ का कारोबार थम गया, ऑर्डर कैंसिल हो गए। डोमोटैक्स ट्रेड फेयर से पूर्वांचल के निर्यातकों को साल भर का 1000 करोड़ के ऊपर का ऑर्डर मिलता था। पूर्वांचल निर्यातक संघ के पूर्व अध्यक्ष अमिताभ सिंह ने बताया कि लाल सागर में एक और जहाज पर हमले के बाद से निर्यातकों में भय है। रूट बदलने से माल भाड़े में दोगुना बढ़ोतरी हुई है। ज्यादातर माल लाल सागर के रास्ते यूरोप, अमेरिका जाते हैं। फिलहाल इस रास्ते से कारोबारी माल यूरोप नहीं भेजना चाहते हैं। दूसरी ओर पूर्वी अमेरिका के लिए जाने वाले जहाज अफ्रीकी महाद्वीप से घूमकर जा रहे हैं। निर्यातक अनिल अग्रवाल ने बताया कि डोमोटैक्स के निरस्त होने से पूर्वांचल के निर्यातकों को बड़ा झटका लगा है।

प्रभारी मंत्री ने हर घर जल, जल जीवन मिशन के अंतर्गत हथौड़ा बुजुर्ग में पाइप पेयजल योजना का निरीक्षण किया''

शाहजहांपुर (यूएनएस)। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं प्रभारी मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने विकासखंड भावल खेड़ा अंतर्गत कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय हथौड़ा बुजुर्ग, कंपोजिट विद्यालय अटसलिया एवं हर घर जल, जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत हथौड़ा बुजुर्ग में पाइप पेयजल परियोजना का निरीक्षण किया। कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय हथौड़ा बुजुर्ग में मंत्री के पहुंचने पर विद्यालय के बच्चों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मंत्री ने कक्षाओं में जाकर शिक्षाण की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने बच्चों से किताबों के पाठ सुने तथा उपस्थिति पंजिकाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की शिक्षा की गुणवत्ता अच्छी होने पर व बच्चों से वार्ता कर प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यालय की छत में शीलन होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालयों में बच्चों को अच्छा वातावरण एवं अच्छी शिक्षा दी जाए। विद्यालय में बच्चों की अधिक संख्या होने पर मंत्री ने बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण करने के लिए भी कहा। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि बच्चों को और बेहतर शिक्षा देकर उनके बौद्धिक विकास करें जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो। मंत्री ने कंपोजिट विद्यालय अटसलिया पहुंचकर मीना मंच देखा तथा विद्यालय की कक्षाओं में जाकर बच्चों से वार्ता की। ततपश्चात मंत्री ने हर घर जल, जल जीवन मिशन अंतर्गत 30.74 लाख लागत की निर्माणाधीन पाइप पेजल परियोजना का निरीक्षण किया।

जलभराव से खफा महिलाओं ने घेरा नगर पंचायत कार्यालय

मऊ। स्थानीय नगर पंचायत के बड़ागांव उत्तरी में जलभराव की समस्या से खफा महिलाओं ने सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय का घेराव किया। नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे राजेश राजभर, तारा देवी, उषा राजभर आदि महिलाओं ने बताया कि बड़ागांव उत्तरी में लगभग 15 दिनों से गंदा पानी भरा है। लोग गंदे पानी से होकर आने जाने को मजबूर हैं। गंदगी के चलते लोग संक्रमण का शिकार हो रहे हैं। इस समस्या को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष को कई बार अवगत कराया गया। लेकिन अभी तक सफाई नहीं हुई। साथ ही टूटी नालियों की मरम्मत के लिए बीते छह माह से लगातार लिखित और मौखिक शिकायत की जा रही है। वहीं नगर के मुख्य मार्ग पर लगी अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब हो चुकी जिससे अंधेरा छाया रहता है।

क्राइम ब्रांच का फर्जी प्रभारी बनकर महिला से ठगी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

मऊ। लाखीपुर के फोरलेन के पास से पुलिस ने रविवार की रात क्राइम ब्रांच का फर्जी प्रभारी बनकर महिला से ठगी के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक लाख रुपये नकद बरामद किए। पूछताछ के बाद पुलिस ने सोमवार को न्यायालय भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र के रघौली गांव निवासी विधवा उर्मिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही थी। रघौली गांव निवासी उर्मिला देवी द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे के अनुसार बीते एक अक्तूबर को उसके मोबाइल नंबर पर अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को क्राइम ब्रांच का प्रभारी बताते हुए उर्मिला देवी के खिलाफ तहरीर मिलने और जांच कर जेल भेजने की बात कही। फोन कटने के कुछ देर बाद गांव निवासी कमलेश राजभर वहां पहुंचा और बोला कि क्राइम ब्रांच के प्रभारी से उसकी अच्छी पहचान है। बात करके मामला रफा दफा करा दूंगा। इसके लिए दो लाख रुपये की मांग की। जिसपर उर्मिला ने एक लाख जेठानी से लिए और खेत गिरवी रखकर उसे दो लाख रुपये दे दिए। घोसी कोतवाली पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह ने बताया कि जांच में रघौली गांव निवासी कमलेश राजभर के साथ ठगी के मामले में दादनपुर अहिरौली निवासी संदीप कुमार राजभर और माछिल जमीन माछिल निवासी संदीप राजभर का नाम सामने आया। मुखबिर की सूचना पर रविवार की रात 9.30 बजे लाखीपुर के पास फोरलेन पर यात्री प्रतीक्षालय के पास से तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनके पास से ठगी के एक लाख रुपये नकद बरामद हुए।

ई-केवाईसी नहीं कराई तो मुफ्त सिलिंडर भूल जाएं

वाराणसी। दिवाली से पहले 35 हजार उज्ज्वला लाभार्थियों ने अपना ई–केवाईसी नहीं कराया तो मुफ्त रसोई गैस सिलिंडर लेना भूल जाए। 31 अक्तूबर से पहले लाभार्थियों को अपना ई–केवाईसी कराना अनिवार्य है। गैस कंपनियों की ओर से एजेंसी संचालक भी डोर–टू–डोर लाभार्थियों का ई–केवाईसी करवा रहे हैं। वहीं, जिन लाभार्थियों ने अपने पते, मोबाइल नंबर बदल दिए, उन्हें ढूंढ़ने में एजेंसी संचालकों को खासी मुसीबतें झेलनी पड़ रही हैं। दिवाली और होली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को एक–एक मुफ्त सिलिंडर देने की घोषणा शासन ने की है।

मुख्यालय मध्य वायु कमान ने भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ मनायी

प्रयागराज। मुख्यालय मध्य वायु कमान ने आठ अक्तूबर 2024 को भारतीय वायुसेना की 92वीं वर्षगांठ अत्यंत जोश व हर्षोल्लास के साथ मनायी। वायु अफसर कमांडिंग–इन–चीफ, मध्य वायु कमान एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने मध्य वायु कमान युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण करते हुए उन वीर जवानों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहूति दे दी। उन्होंने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, रक्षा राज्य मंत्री तथा वायु सेनाध्यक्ष द्वारा जारी संदेशों को पढ़कर सुनाया गया। वायु अफसर कमांडिंग–इन–चीफ, मध्य वायु कमान ने वायुसेना कार्मिकों तथा सिविलियनों को निष्ठा की शपथ दिलाई। अपने संदेश में वायु अफसर कमांडिंग–इन–चीफ ने सभी सेवा–निवृत कार्मिकों, वायुयोद्धाओं, अग्निवीरों, एनसी(ई), डीएससी के जवानों, सिविलियन कार्मिकों और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई दी व अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। उन्होंने वांतरिक्ष सुरक्षा के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण व मानसिकता, हादसोंध्दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग पर बल दिया। वायु अफसर कमांडिंग–इन–चीफ ने अदम्य लड़ाकू बल को बनाये रखने के लिए परिचालनात्मक उत्कृष्टता, कार्मिकों के शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस पर भी जोर दिया।

डीएलएडः प्रवेश के लिए 2.40 लाख अभ्यर्थियों ने किया आवेदन

प्रयागराज। डीएलएड – 2024 में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन बुधवार नौ अक्टूबर की रात 12 बजे तक अभ्यर्थी कर सकेंगे जबकि फीस एक दिन बाद 10 अक्टूबर को वह जमा कर सकेंगे और आनलाइन आवेदन और जमा किये गये शुल्क का वह फाइनल प्रिण्ट 11 अक्टूबर को प्राप्त कर सकेंगे । आनलाइन आवेदन की समय सीमा बुधवार की रात 12 बजे खत्म होने के बाद डीएलएड की वेबसाइट अपने आप लाक हो जाएगी।ध अभी तक डीएलएड में प्रवेश के लिए आनलाइन 2.40 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी उप्र प्रयागराज अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि जिस तरह से डीएलएड में आनलाइन आवेदन चल रहा है उससे उम्मीद है कि इस बार सभी सीटें भर जाएगी। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया खत्म होने के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। पूरी संभावना है कि नवंबर से डीएलएड की कक्षाएं शुरू हो जाये। उल्लेखनीय है कि कई वर्ष बाद डीएलएड में रिक्त सीटों से ज्यादा अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए आवेदन किया है। वर्ष 2023 में डीएलएड में करीब 90 सीटें रिक्त रह गयी थी लेकिन इस बार लग रहा है कि डीएलएड में प्रवेश के लिए आवेदन करने वालों की संख्या करीब तीन लाख तक हो जाएगी जबकि डीएलएड में कुल 2.40 लाख सीट है। जिसमें प्रदेश के सभी डायट में 10500 सीट और शेष 2,29,500 सीट डीएलएड के करीब तीन हजार निजी क्षेत्र के कालेजों में प्रवेश होना है जबकि दर्जनभर डीएलएड कालेजों ने मान्यता प्रत्याहरण के लिए शासन में आवेदन किया है।

महाकुंभ 2025: मंडलायुक्त ने पीडीए की समीक्षा बैठक ली

प्रयागराज। पीडीए द्वारा सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण की प्रगति समीक्षा मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने सभी संबंधित अभियंताओं एवं ठेकेदारों की उपस्थिति में पीडीए कार्यालय स्थित सभागार में की। जिन सड़कों का कार्य पर्ट चार्ट से पीछे चल रहा है उनके वीकली माइक्रो प्लान पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए उन्होंने संबंधित ठेकेदारों से किस सड़क पर कितनी शिफ्ट में कितने लेबरों द्वारा काम कराया जा रहा है उसकी जानकारी ली। कई सड़कों पर लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षित संख्या में लेबरों का डिप्लॉयमेंट न होने, ठेकेदारों को प्रतिदिन के टारगेट की अधूरी जानकारी होने तथा उसको पूरा करने में बरती जा रही लापरवाही पर उन्होंने खासी नाराजगी व्यक्त की एवं सभी संबंधित अभियंताओं एवं ठेकेदारों को प्रत्येक दिन के टारगेट को हर हालत में पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही ठेकेदारों को रिवाइज्ड वीकली माइक्रो प्लान पुनः उपलब्ध कराते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने कार्यों को पूर्ण कराने में यदि किसी तरह की समस्या आती है तो उन्हें तुरंत अवगत कराने के भी निर्देश दिए ताकि उसका निराकरण तुरंत कराया जा सके। सचिव अजीत सिंह उपस्थित रहे।

त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 02262/02261 नई दिल्ली - दरभंगा - नई दिल्ली आरक्षित सुपरफास्ट त्योहार विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 02262			गाड़ी संख्या - 02261	
नई दिल्ली - दरभंगा			दरभंगा - नई दिल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	00:20	नई दिल्ली	20:15	--
06:30	06:40	गोविन्दपुरी	13:30	13:20
10:30	10:40	प्रयागराज जं.	09:10	09:20
21:15	--	दरभंगा जं.	--	23:20

• **नई दिल्ली से** गाड़ी संख्या 02262, बुधवार, रविवार, **दिनांक : अक्टूबर** - 13,16,20,23,27,30, **नवम्बर** - 03, 06, 10, 13, 17, 20, 24, 27
• **दरभंगा से** गाड़ी संख्या 02261, बुधवार, रविवार, **दिनांक : अक्टूबर** - 13,16,20,23,27,30, **नवम्बर** - 03, 06, 10, 13, 17, 20, 24, 27

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 10, स्लीपर श्रेणी- 02, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी- 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1748/24(MG)

चेन्नई के एयर शो में नहीं गरजेगा मिग 21, आखिरी बार प्रयागराज में किया था अभूतपूर्व प्रदर्शन

प्रयागराज। चेन्नई में मंगलवार आठ अक्तूबर को मनाए जा रहे भारतीय वायुसेना के 92 वें स्थापना दिवस पर आयोजित एयर शो में राफेल, सुखोई समेत तमाम विमान अपना जलवा दिखाएंगे, लेकिन वहां मिग 21 एयर शो का हिस्सा नहीं बनेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले वर्ष आठ अक्तूबर को प्रयागराज में आयोजित एयर शो में ही इस लड़ाकू विमान को विदाई दे दी गई थी। इस वजह से देश की चौकसी में तैनात रहा मिग 21 लड़ाकू विमान वहां के आसमान नहीं दिखेगा। खास बात यह है कि चेन्नई में आयोजित एयर शो में प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय के कई जांबाज पॉयलट लड़ाकू विमान के माध्यम से अपना हुनर वहां दिखाएंगे। सुरक्षा की दृष्टि से वायुसेना ने इन

जांबाज पॉयलटों के नाम अभी जारी नहीं किए हैं। मंगलवार को चेन्नई के आसमान में जो विमान अपना हैरत अंगेज प्रदर्शन करेंगे उसमें ये कुछ की कंट्रोलिंग मध्य वायु कमान मुख्यालय से की जा सकती है। राफेल के साथ एएन –32, सुखोई–30, जुगआर, तेजस, अपाचे विमान प्रयागराज, ग्वालियर आदि वायु सेना स्टेशनों से चेन्नई के लिए उड़ाए जा सकते हैं। हालांकि वायुसेना की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।बता दें देश की चौकसी में पिछले कई वर्ष से तैनात मिग–21 बाइसेन को प्रयागराज में आठ अक्तूबर 23 को आयोजित एयर शो के माध्यम से विदाई दी गई थी। यह विमान जब अंतिम बार संगम के ऊपर उड़ा तो वह सूर्य अस्त होने की दिशा की ओर गया। तब यहां मिग–21 के सम्मान में राफेल विमान द्वारा उसे एस्कार्ट दिया गया। भारतीय वायु सेना के एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का प्रयागराज से रिश्ता रहा है। मध्य वायु कमान मुख्यालय में वह एयर मार्शल पद का दायित्व निभा चुके हैं। एक जुलाई 2022 से 31 जनवरी 23 तक यहां उनकी तैनाती रही। फिलहाल एयरफोर्स डे के मौके पर बमरौली स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय में वायु योद्धाओं की परेड कार्यक्रम का ही आयोजन इस बार किया गया है। मध्य वायु कमान मुख्यालय की बात करें तो कारगिल आदि युद्ध में इसकी अहम भूमिका रही। बिहार एवं अन्य स्थानों पर आने वाली बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में भी मध्य वायु कमान मुख्यालय की भूमिका रहती है। प्रयागराज में वायुसेना का ऐसा एकमात्र सेंटर है जहां बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल (बीएफटीएस) है। बमरौली स्थित इस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में ही हेलीकॉप्टर पॉयलटों का प्रशिक्षण होता है। यह प्रशिक्षण पांच माह का रहता है। यहां 200 से ज्यादा आर्मी एविएटर्स कोर्स हो चुके हैं। इस दौरान जवानों ने पांच महीने के दौरान कठोर उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण दिया जाता है। बता दें एचपीटी–32 विमान पर पायलटों को प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 16 दिसंबर 1987 को इसकी स्थापना हुई। यहां पांच जुलाई 1999 से भारतीय वायुसेना के फ्लाइट कैडेटों को तैयार करने के साथ भारतीय सेना, नौसेना और तटरक्षक बल के अफसरों को प्रशिक्षित करना शुरू हुआ। हेलीकॉप्टर पर भारतीय सेना के अफसरों को प्रारंभिक उड़ान प्रशिक्षण देने के लिए 26 दिसंबर 2005 बीएफटीएस चेतक हेलीकॉप्टरों से सुसज्जित किया गया।

हाथों में कमल और तलवार लेकर माता कात्यायनी के स्वरूप में मां कल्याणी ने दिए दर्शन।

मां कात्यायनी की पूजा करने से व्यक्ति को काम, मोक्ष, धर्म और अर्थ इन चारों फलों की प्राप्ति होती है– पण्डित सुशील कु पाठक

प्रयागराज। महाशक्ति पीठ मां कल्याणी देवी के धाम में नवरात्रि महोत्सव मेला के अवसर पर मां कल्याणी ने नवरात्रि के षष्ठम दिवस पर चतुर्भुज रूप धारण कर माता कात्यायनी स्वरूप में भक्तों को दिए दर्शन इस अवसर पर प्रातः कालीन माता कल्याणी का कात्यायनी माता के स्वरूप में मंगला आरती एवं अभिषेक किया गया इस अवसर पर भक्तों ने मां का दर्शन पूजन अर्चन कर शतचंडी महायज्ञ का परिक्रमा करते हुए अपने बच्चों को मुंडन संस्कार कराया मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित सुशील पाठक ने बताया कि जगत जननी मां कात्यायनी की पूजा करने से व्यक्ति को काम, मोक्ष, धर्म और अर्थ इन चारों फलों की फल प्राप्ति होती है मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि शाम 6 बजे रात्रि कालीन मां कात्यायनी का श्रृंगार दर्शन के लिए मंदिर का कपाट खोला गया गया मां चतुर्भुजी स्वरूप में सिंहं पर सवार होकर अपने हाथों में कमल और तलवार लेकर रही मां का श्रृंगार रत्नजडित आभूषणों से एवं बेला कमल पुष्पो के द्वारा किया गया एवं हवन किया शाम 7 बजे मां का सांध्य एवं रात्रि 12 बजे शयन आरती की गई मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 7 अक्टूबर को नवरात्रि के सप्तम दिवस पर महागौरी के रूप के दर्शन देंगी।

एक दूसरे को जलेबी खिलाकर हरियाणा जीत पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

प्रयागराज। हरियाणा विधानसभा चुनाव में विजय पताका लहराने के बाद उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में ढोल ताशों की थाप पर झूमते और आतिशबाजी करते हुए जश्न मनाया। इस दौरान डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है हरियाणा में मिली विजय। यूपी में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में भी कार्यकर्ता पूरी मेहनत से लग जाएं। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी बताया कि कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को उनकी

तस्वीर एवं पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को जलेबी खिलाकर जश्न मनाया और पटाखे फोड़े इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयंबक त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, जिलाध्यक्ष गंगापार कविता पटेल, किरण त्रिवेदी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, मुरारी लाल अग्रवाल,वरुण केसरवानी, पूर्व विधायक दीपक पटेल,कुंज बिहारी मिश्रा, विवेक मिश्रा, राजेश केसरवानी, विवेक अग्रवाल ,प्रमोद मोदी,मनोज कुशवाहा, पार्षद आशीष द्विवेदी,नटवर लाल, नवाब खान, बिलाल अहमद, प्रशांत शुक्ला, शिवा त्रिपाठी, आनंद दुबे, संजय सिंह, पप्पू पांडेय, आस्तिक शुक्ला,, मंजेश श्रीवास्तव में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगम नोज पर 60 फीसदी कम हो गया क्षेत्र, कराई जाएगी ड्रेजिंग

प्रयागराज। गंगा नदी की दिशा बदलने की वजह से संगम नोज पर स्नान क्षेत्र को लेकर भी संकट खड़ा गया है। स्नान क्षेत्र में 60 फीसदी की कमी आ गई है। अब ड्रेजिंग करके संगम नोज से शास्त्री ब्रिज के बीच चौनल तैयार करने का निर्णय लिया गया है, जिस पर 19.21 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। सिंचाई विभाग की ओर से कराए गए सर्वे में पाया गया है कि गंगा नदी अपनी दाहिने किनारे (परेड) की तरफ 200 से 500 मीटर तक स्थानांतरित हो गई है। इसके अलावा कटान की भी समस्या खड़ी हो गई है। संगम नोज पर सर्कुलेटिंग एरिया में कुंभ 2019 की तुलना में 60 फीसदी की कमी हो गई है। जबकि, महाकुंभ 2025 में दोगुने स्नानार्थियों के आने की उम्मीद है। इसे देखते हुए गंगा में ड्रेजिंग करके 150 से 175 मीटर चौड़ा चौनल बनाने का निर्णय लिया गया है। ड्रेजिंग का काम संगम नोज से शास्त्री तक किया जाएगा। इसके अलावा भी कई अन्य कार्य कराए जाएंगे। इसके लिए आईआईटी गुवाहाटी के विशेषज्ञों की मदद ली गई है। प्रयागराज। सभी 13 अखाड़ों में मेला प्रशासन के साथ अन्य सभी विभागों के नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। इस बाबत मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने सोमवार को सभी विभागों को आदेश जारी किया। संतों ने रविवार को मुख्यमंत्री से वार्ता के दौरान सभी अखाड़ों में नोडल अधिकारी नियुक्त करने की मांग की थी। ताकि, उनके शिविरों तथा आश्रमों में पेयजल, सीवर, सफाई, बिजली आदि विभागों से संबंधित समस्याओं एवं जरूरतों का तत्काल समाधान हो सके। इस पर मुख्यमंत्री ने इस पर सहमति जताई थी। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि सभी विभागों से प्रत्येक अखाड़ों में नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए कहा गया है। इसे लेकर पत्र भी जारी कर दिया गया है। विभागों के नोडल अधिकारी संबंधित अखाड़ों के लगातार संपर्क में रहेंगे। प्रयागराज।

महाकुंभ–2025 शीर्ष समिति की बैठक अब मंगलवार को लखनऊ में होगी। पहले यह बैठक प्रयागराज में चार अक्तूबर को प्रस्तावित थी लेकिन रविवार को मुख्यमंत्री का आगमन होने के कारण शीर्ष समिति की बैठक स्थगित कर दी गई थी। अब यह बैठक मंगलवार को होगी। इसमें 160.53 करोड़ रुपये के 22 कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसमें सबसे अधिक नगर निगम के आठ तथा लोक निर्माण विभाग के तीन काम शामिल हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2024/538 दिनांकः 04.10.2024

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/30म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-929-2024	
कार्य का विवरणः एन सी रेलवे के प्रयागराज मंडल में नैनी, फफूंद एवं दादरी ग्रिड सब-स्टेशन पर स्थापित उपकरणों का व्यापक एवं निवारक रखरखाव का कार्य (दो साल की अवधि के लिए)	
अनुमानित लागतः रु.77,80,643.28	बिड सुरक्षा राशिः रु. 1,55,600.00
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 28.10.2024, 14:00 बजे	बोली प्रणालीः एक पैकेट
निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 28.10.2024, 15:00 बजे	कार्य अवधिः 24 महीना
एलोकेशनः Revenue (07042232)	यूडब्लूआईडी नंः

नोटः(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1744/24(ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

झलवा घुंघरू चौराहे पर रेल कोच फंसा, लगा जाम

प्रयागराज। सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर बनाए जाने वाले रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए सड़क मार्ग से एक एसी रेल कोच को ले जा रहा ट्रेलर झलवा घुंघरू चौराहे पर मुड़ने के दौरान फंस गया। इस वजह से वहां लंबा जाम लग गया। शाम पांच बजे के बाद दो क्रेन की मदद से वहां किसी तरह से आवागमन के लिए रास्ता खोला जा सका। बताया जा रहा है कि सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट खुलना है। इसके लिए एक निजी फर्म को रेलवे ने पुराना एसी कोच आवंटित किया। सूबेदारगंज स्टेशन के यार्ड से उस कोच को क्रेन की मदद से एक बड़े ट्रेलर पर लोड किया गया। इसके बाद ट्रेलर उसे लेकर सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के लिए बढ़ा। ट्रेलर पर रेल कोच देखने के लिए वहां काफी लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। घुंघरू चौराहे के पास जब ट्रेलर मुड़ा तो वह डिवाइडर और चौराहे के बीच में लगे यूनीपोल पर फंस गया। इस वजह से वहां एक ओर से रास्ता बाधित हो गया। उसी दौरान आसपास के स्कूलों की छुट्टी होने से लोग डिवाइडर के दूसरे छोर से गुजरने लगे। एक ही लेन पर दोनों ओर के वाहन आने के कारण जाम लग गया। इससे समस्या बढ़ गई। हालांकि, जैसे तैसे लोग वहां से धीमे–धीमे निकलते रहे। इसके बाद मौके पर दो क्रेन भेजी गईं। किसी तरह शाम पांच बजे के बाद ट्रेलर वहां से हटाया जा सका। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह का कहना है कि जिस फर्म को रेल कोच आवंटित किया गया है उसे आज कोच सौंपा गया था। वह अपने साधन से उसे लेकर जा रहा था। वहीं, दूसरी ओर बताया जा रहा है कि सूबेदारगंज स्टेशन पहुंचने वाले मार्ग की हालत खराब होने की वजह से देर शाम तक रेल कोच लदा ट्रेलर सड़क किनारे ही खड़ा रहा।

दुष्कर्म के दोषी सगे भाइयों को सात वर्ष की सजा

प्रयागराज। जिला न्यायालय ने छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में सगे भाइयों को दोषी करार देते हुए सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने प्रत्येक पर 19 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला कुमारी अनीता प्रथम अपर विशेष न्यायाधीश पॉक्सो ने सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी राहुल मिश्र को सुनकर व पत्रावली का अवलोकन करने का बाद किया। प्रयागराज के थाना उतरांव में 25 जुलाई 2013 की रात वादी मुकदमा की पुत्री का अपहरण कर लिया गया था। छात्रा उस समय 12वीं में पढ़ती थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार सराय हुसे उतरांव निवासी सगे भाइयों शैलेंद्र कुमार पटेल व अशोक कुमार पटेल ने शादी का झांसा देकर छात्रा का अपहरण किया और दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी। संबंधित थाने में अभियोजन पक्ष ने आरोपितों पर अपहरण, दुष्कर्म व पॉक्सो की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। अदालत ने दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलों को सुनने व साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दोषी करार देते हुए सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

ट्रेलर ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, चालक की मौत

प्रयागराज। नैनी–मिर्जापुर मार्ग पर एक दर्दनाक हादसे में मोटरसाइकिल सवार शिवकुमार तिवारी (45) की मौत हो गई। शिवकुमार की मोटरसाइकिल को पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टिकरी लावायन, थाना औद्योगिक क्षेत्र के निवासी शिवकुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसा टीएसएल गेट के सामने हुआ, और सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को एसआरएन अस्पताल भेज दिया गया। चालक रामू (पुत्र विश्वनाथ निवासी पुरे फकीरे सिंहपुर, थाना शिवरतनगंज, जनपद अमेठी) को गिरफ्तार कर ट्रेलर को थाना परिसर में खड़ा कर दिया गया। मृतक के परिजनों को सूचित करने के बाद विधिक कार्यवाही की गई।

उप–मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ को लेकर की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को सर्किट हाउस में महाकुम्भ को लेकर चिकित्सा स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की। औपचारिक परिचय के बाद उन्होंने सबसे पहले अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. राकेश शर्मा से मेला क्षेत्र में प्रस्तावित 100 बेड के अस्थाई अस्पताल के निर्माण की जानकारी प्राप्त की। कहा कि नवंबर के पहले सप्ताह में फिर आऊंगा तब तक आवश्यक कार्य पूरे हो जाएं। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा ने मेडिकल कॉलेज में हो रहे निर्माण कार्य की जानकारी दी।

कुरुक्षेत्र की भूमि में धर्म की हुई जीत और कांग्रेस का पाखंड हारा– महापौर गणेश

प्रयागराज। हरियाणा विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड बहुमत से जीत को लेकर महापौर गणेश केसरवानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , हरियाणा की जनता और हरियाणा के भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि कुरुक्षेत्र की भूमि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी के रूप में धर्म की विजय हुई है और कांग्रेस का भ्रष्टाचार और झूठ का पाखंड हारा है और कहा कि तीसरी बार हरियाणा की जनता का आशीर्वाद मिलने का तात्पर्य है भारतीय जनता पार्टी का विश्वास और उसके द्वारा किए गए विकास कार्यों की जीत है

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**